संधि

↓

व्यंजन संधि

व्यंजन संधि

१	२	३	४	५
क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म

⇒ व्यंजन संधि पहला नियम

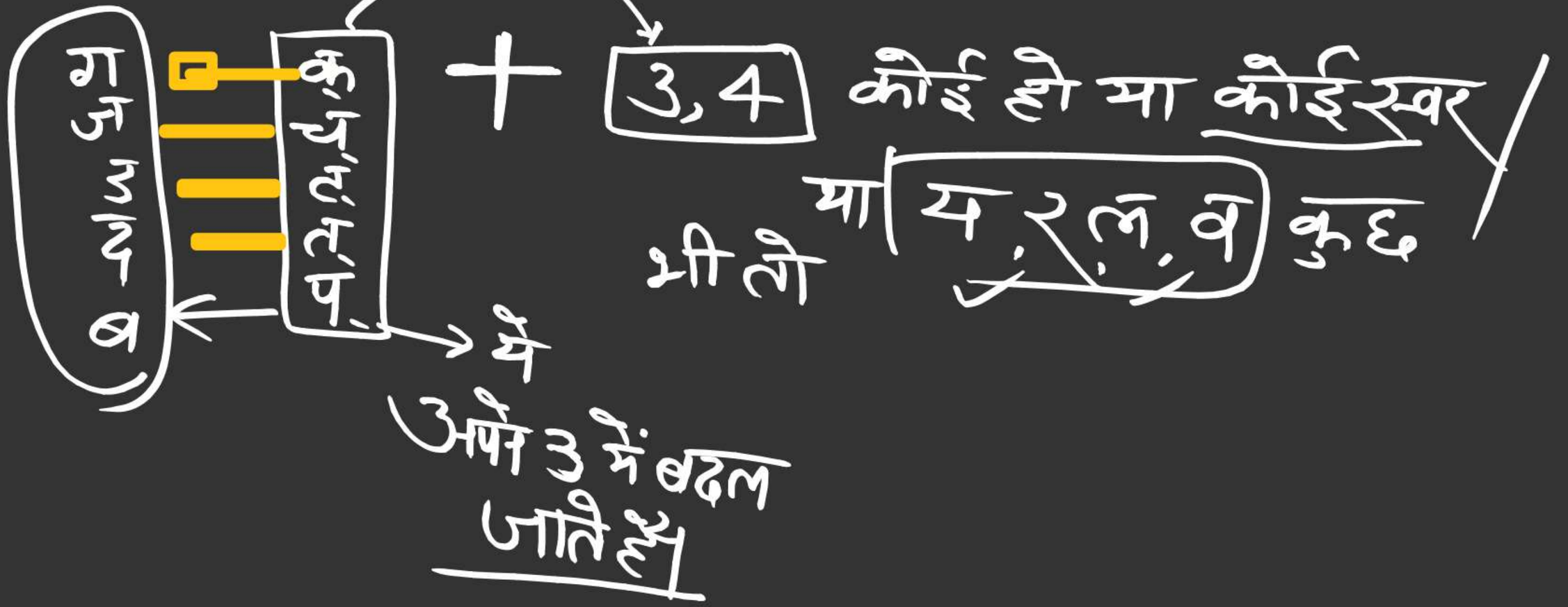

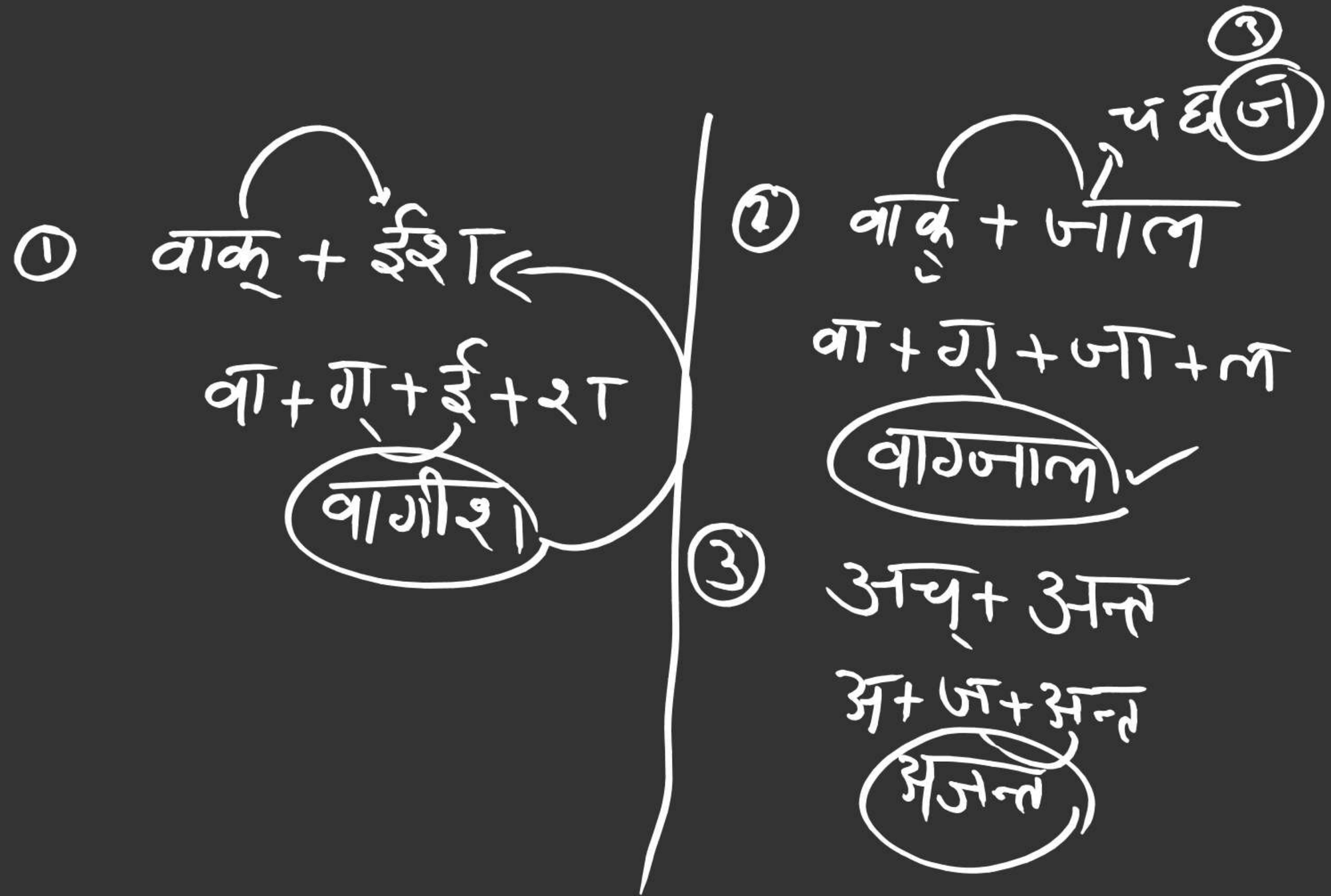

① वाक् + ईश

वा + ग + ई + श

वागीश।

② वाक् + जाल

पंचम (ज) (ग)

वा + ग + जा + ल

वाग्जाल ✓

③ अच् + अन्त

अ + ज + अन्त

अजन्त

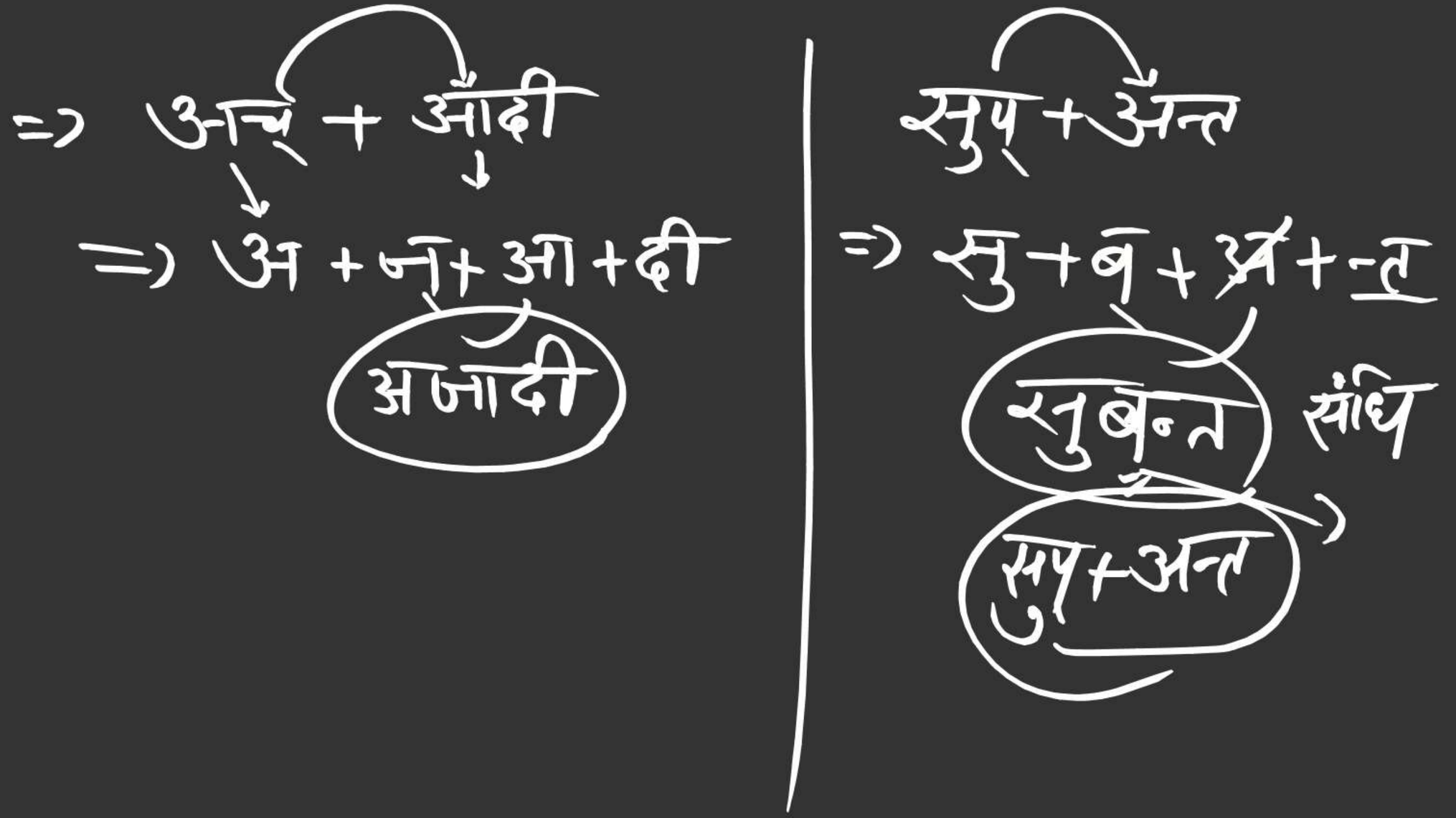

=> अच् + आदी

=> अ + ज् + आ + दी

अजादी

सुप् + अन्त

=> सु + ब् + अ + न्त

सुबन्त संधि

सुप् + अन्त

षट् + आनन

⇒ ष + इ + आ + नन

षडानन

तत् + रूप

= त + द + रू + प

तद्रूप

① वृहत् + रथ = वृहद्रथ = वृद्रथ

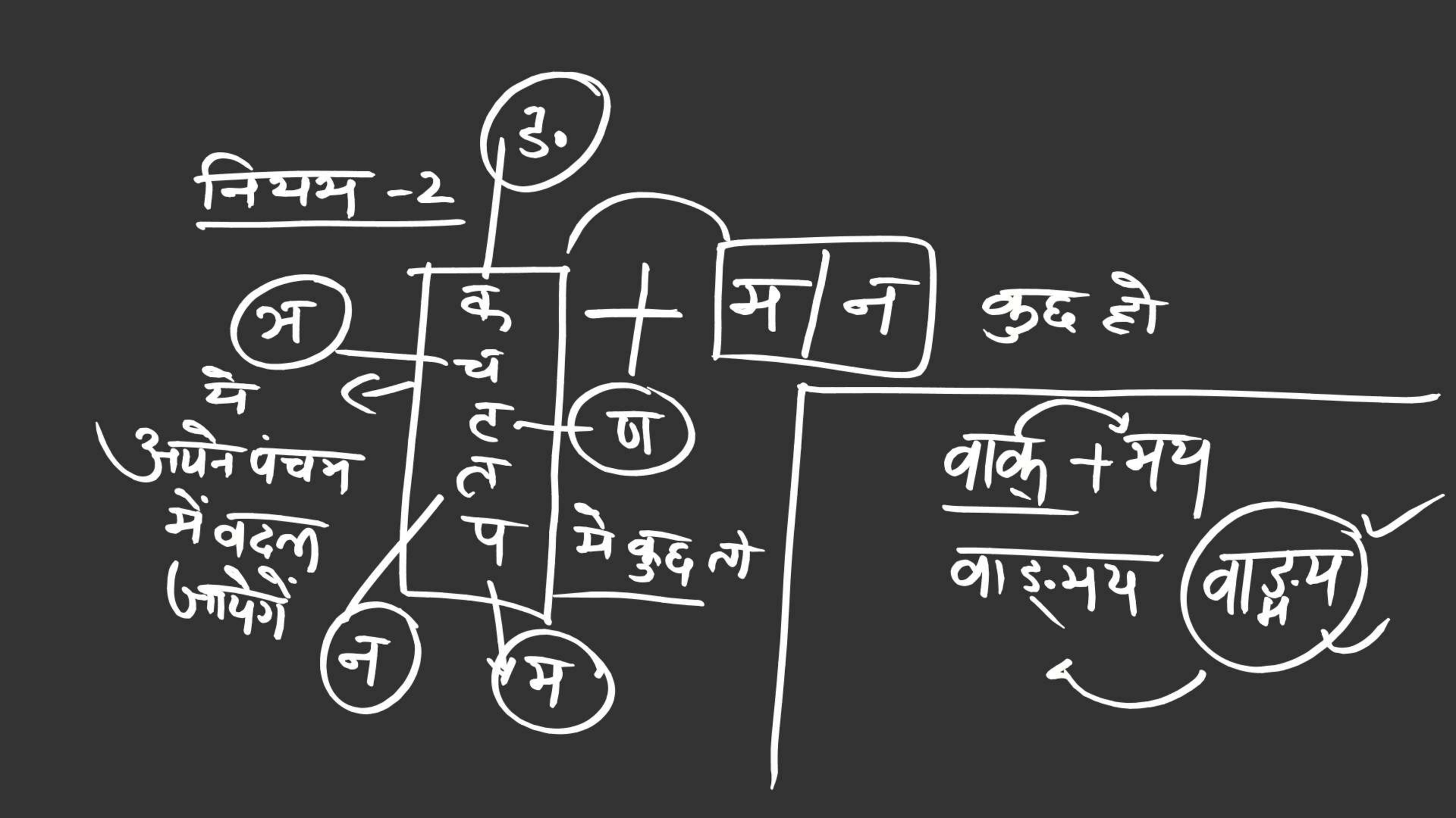

नियम -2

(ङ)

(ञ) — क

च — ये अपने पंचम में बदल जायेंगे

ट — (ण)

त — (न)

प — (म)

क, च, ट, त, प + म/न कुछ हो

क, च, ट, त, प मे कुछ तो

वाक् + मय

वाङ्मय

(वाङ्मय)

म/न

=> जगत् + नाथ	दिक् + मण्डल
जग + न् + नाथ	दि ङ् मण्डल
जगन्नाथ ✓	दिङ्मण्डल

=

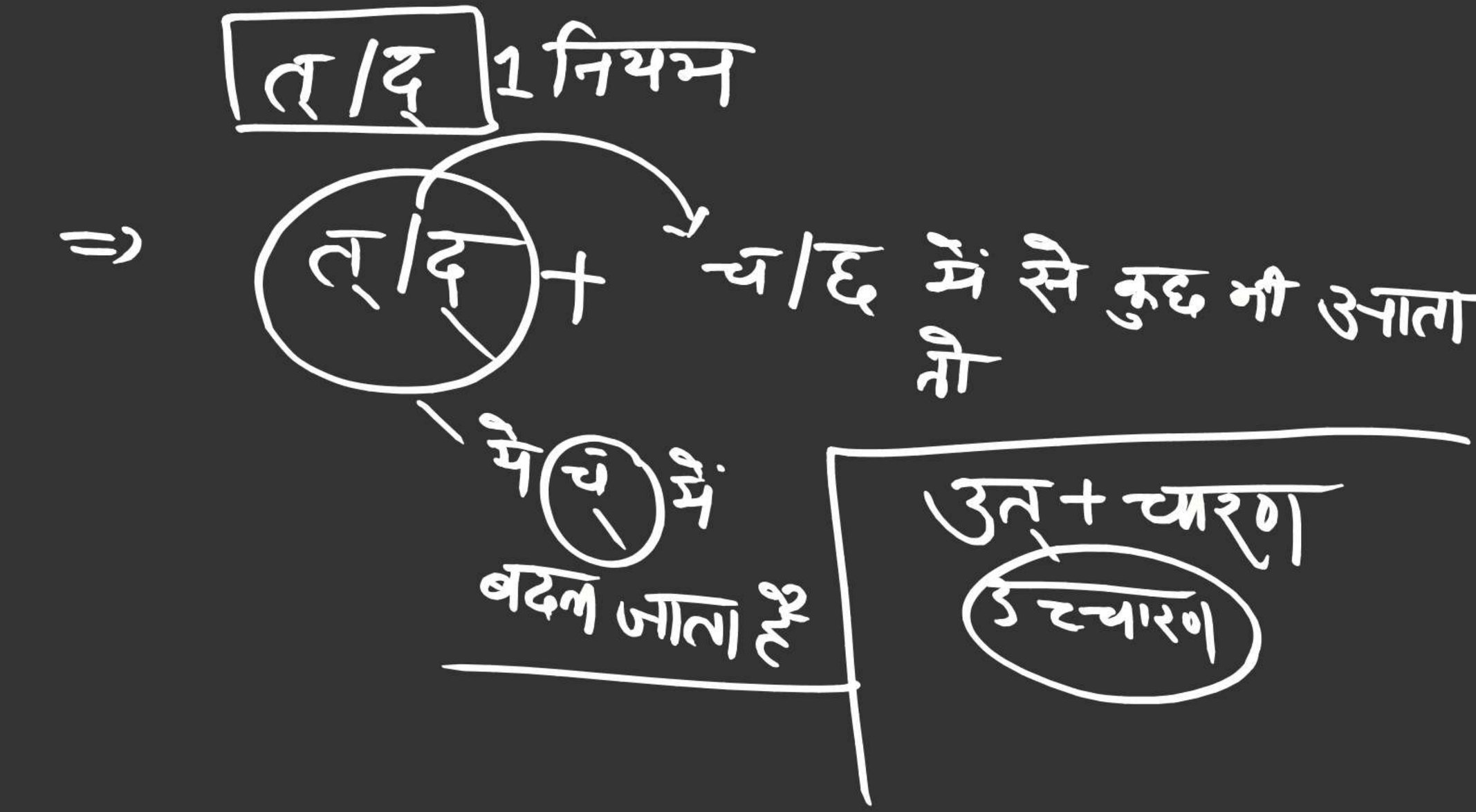

त् / द् 1 नियम

=> त् / द् + च / छ में से कुछ भी आता तो

- में (च्) में बदल जाता है

उत् + चारण

उच्चारण

⇒ शरत् + चन्द्र

शरच्चन्द्र

⇒ महत् + छत्र

महच्छत्र

सत् + चित्

सच्चित

① सत् + चरित्र

सच्चरित्र

त्/द् का नियम-2

त्/द् + ज/झ में से कुछ आता तो

ये ज् में बदल जायेगा

सत् + जन

सज्जन

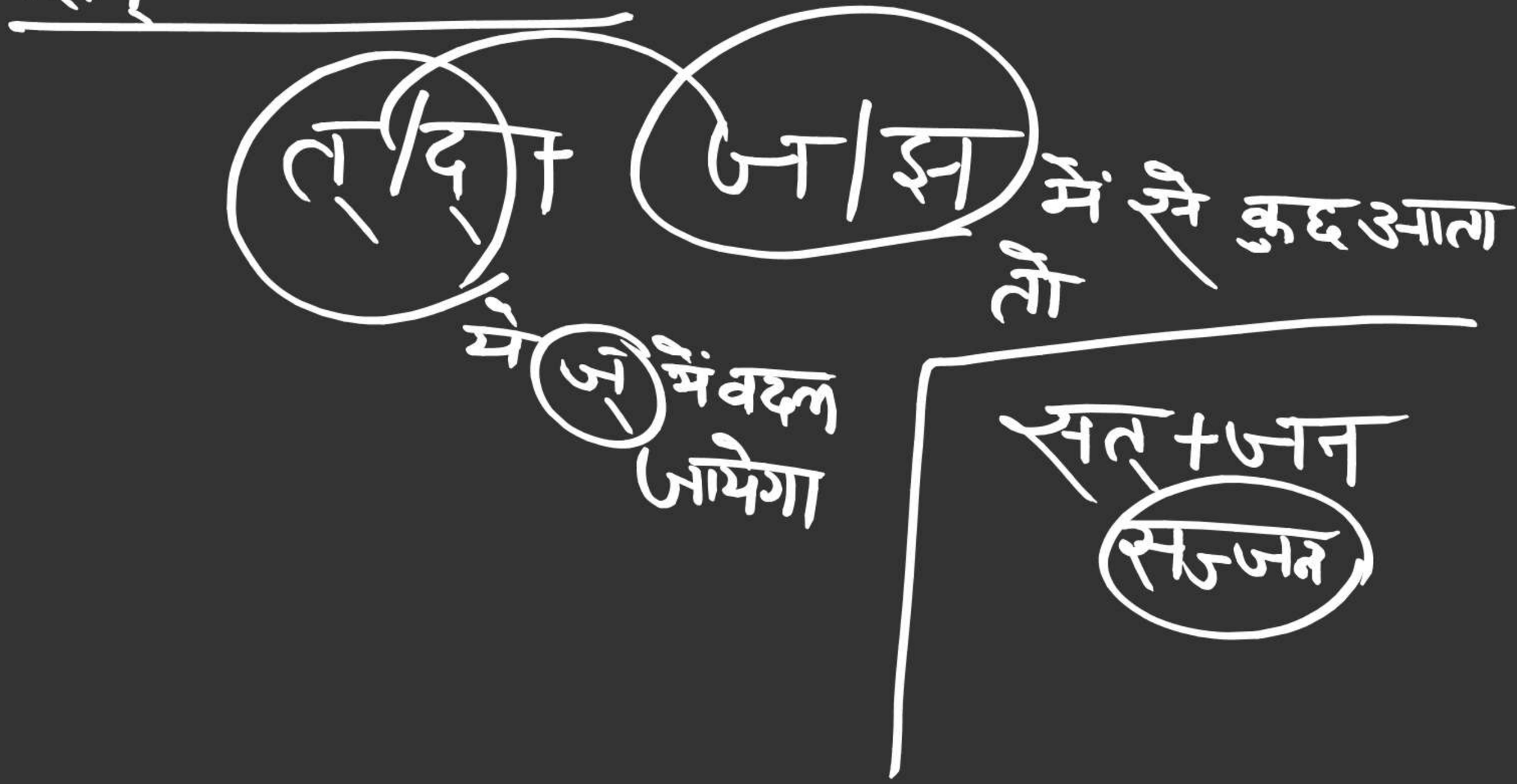

② विपद् + जाल

विपज्जाल ✓

⇒ उत् + ज्वल

त् / द् नियम - 3

त् / द् + ट / ठ से कुछ भी आ रहा हो

त् / द् → ट् में बदल जायेगा

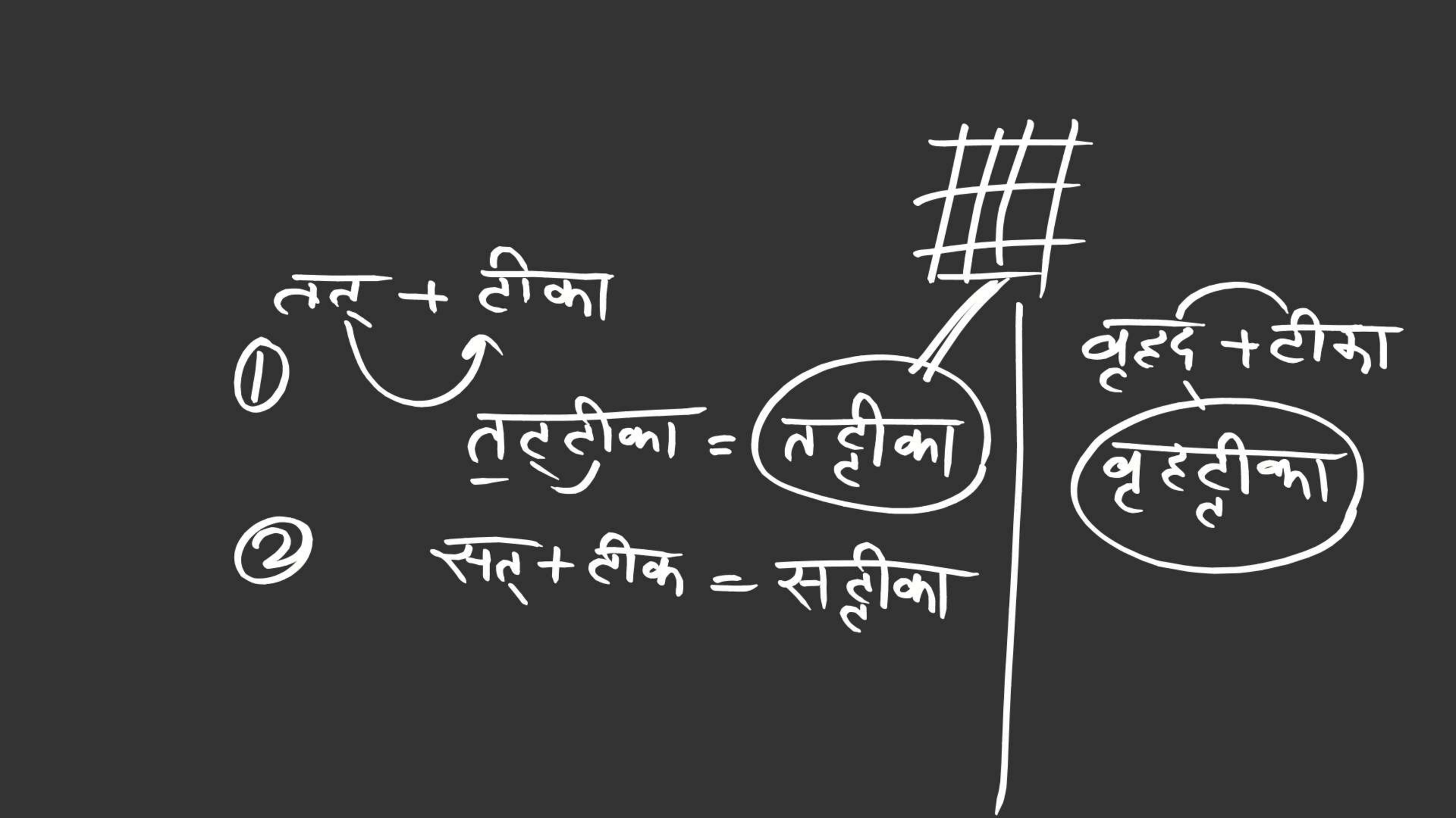
तत् + टीका
①
तत्टीका = तट्टीका
②
सत् + टीक = सट्टीका
बृहद् + टीका
बृहट्टीका

⇒ **त्/द् का नियम-4**

त्/द् + ड/ढ में से कुछ आ रहा हो तो

ड् में बदल जायेगा।

उत् + डयन

उड्डयन

त् का नियम - 5

त् + ल हो तो

त् भी ल् में बदल जाता

तत् + लीन

⇒ तल्लीन ✓

= उत् + लास

=

= उत् + लेख

⇒ त्/द् का नियम – 6

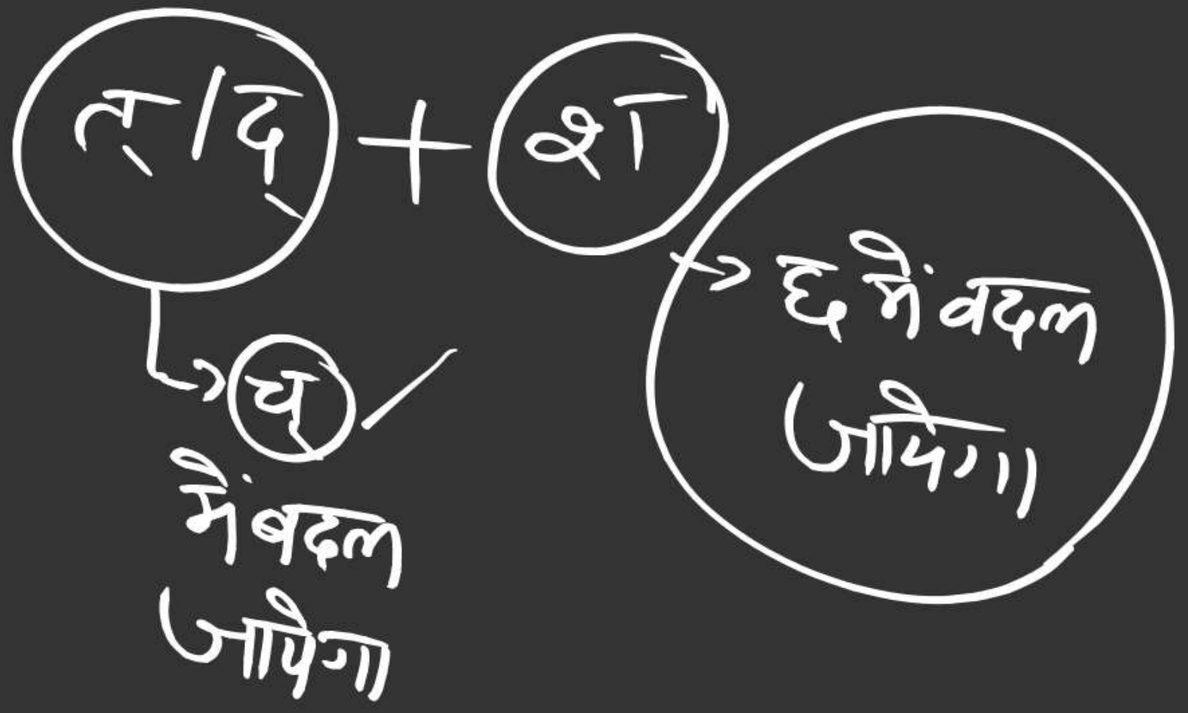

त्/द् + श → च् में बदल जायेगा

श → छ में बदल जायेगा।

सत् + शास्त्र = सच्छास्त्र ✓

तत् + शिवा = तच्छिवा